



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....लोक संपर्क कार्यालय.....

दिनांक २९.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....८.....कॉलम.....३-५.....

अनुसंधान के बेहतर परिणाम के लिए सामूहिक प्रयास कारगर : प्रो. कंबोज

रिफेशर कोर्स का समापन, देशभर के 48 वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

हिसार, 28 अप्रैल (निसा)

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय द्वारा अनुसंधान प्रबंधन विषय पर आयोजित ऑनलाइन त्री-सप्ताह के रिफेशर कोर्स के समापन पर वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए सीसीएचयू के कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने कहा कि किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक

से अधिक लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाय हँहे अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है, बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रूपये, विश्वास, लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व रिफेशर

कोर्स के दौरान करवाई गई गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें देशभर के 48 कृषि वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया, जिसमें से 27 हरियाणा कृषि विवि और 21 वैज्ञानिक देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डॉ. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के आयोजन में विशेष सहयोग दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....ईडीनेट सेवा.....

दिनांक २१.५.२०२१.....पृष्ठ संख्या.....३.....कॉलम.....५.६.....

हकृति में रिफ्रेशर कोर्स समाप्त

- देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा
- कुलपति ने कहा, अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर

हिसार, 28 अप्रैल (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहा कि किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

कुलपति मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समाप्त अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितयों से घबराने की बजाए



प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग

पाद्यक्रम संयोजिका डा. मंजु मेहता ने प्रतिभागियों व अंतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस पाद्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाद्यक्रम संयोजिका डा. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राच्यापक डा. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक, बागवानी डा. सुरेश धानिया एवं सर्स्य विज्ञान विभाग से डा. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रवैये,

विश्वास, लक्ष्य और दृढ़ संकल्प से ही संभव हो सकता है। इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

भौतिक भास्कर

दिनांक २९.५.२०२१ पृष्ठ संख्या..... २ कॉलम..... ५.....

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा, वीसी ने कहा- **वैशिवक कोरोना महामारी से उत्पन्न हालातों से घबराने की बजाय अवसर में बदलने का समय**

भारत न्यूज़ | हिसार

किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों और संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार एचएयू के वीसी प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए।

वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैशिवक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल



एचएयू में ऑनलाइन संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रूप से ही संभव हो सकता है।

इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यावहारिक रूप से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही यहां से सीखी गई इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग

पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र

एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राच्यापक डॉ. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।

विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी।

मुख्यातिथि ने इस कोर्स में शामिल राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों की सराहना की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने

वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सांमजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....

पंजाब केसरी

दिनांक २९.५.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....५३.....

‘अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर : प्रो. काम्बोज’

हिसार, 28' अप्रैल (पंकेस) : किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं, ताकि किसान समुदायको इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित ३ सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए, इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं, दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रूपये, विश्वास, लक्ष्य और दृष्टि संकल्प से ही संभव हो सकता है। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं



प्रतिभागियों को ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते मुख्यातिथि एवं अन्य।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सांभजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें, ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग: पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48

प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया। इनमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डॉ. रिचा खना, सहायक निदेशक (बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार दाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम.....दैनिक तात्पुरता

दिनांक २९.६.२०२१ पृष्ठ संख्या.....३ कॉलम.....।-२

अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर

हिसार : किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक



प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज। जागरण आर्काइव अनुसंधान को आगे बढ़ाएं। किसान समृद्धाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कंबोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से

अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ३०८लाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बौतर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्वक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इह अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल तारिख बदलने का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रूप से, विश्वास, लक्ष्य और वृद्ध संकल्प से ही संभव हो सकता है। स्नातकोत्तर अधिकारियों एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डा. अनुल दीगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सामंजस्य बैठाने का आह्वान किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठ्यक्रम	२४-५-२०२१		

एचएयू कृषि विज्ञान केंद्रों पर लगावाएगा मेगा वैक्सीनेशन कैम्प : बी.आर. काम्बोज

पाठ्यक्रम व्यूज

हिसार, 28 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार प्रदेश के प्रत्येक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्र पर मई माह में मेगा वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उक्त फैसला लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए लिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय सदैव किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कड़ी में उक्त फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि कैम्प के सफल आयोजन के लिए एक वैज्ञानिक की नोडल अधिकारी के रूप में इयूटी लगाने और सभी तेयारियों की रिपोर्ट मुख्यालय में देने के निर्देश दिए। कैम्प के दौरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों को पूरी तरह से पालना की जाएगी। इस अभियान के लिए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके



केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करने के आदेश दिए हैं, जिनको टीकाकरण नहीं किया गया है। इसके लिए संबंधित जिला प्रशासन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल ऑफिसर से वैक्सीन की उपलब्धता और तकनीकी सहायता के लिए संपर्क करने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कैम्प के सफल आयोजन के लिए एक वैज्ञानिक की नोडल अधिकारी के रूप में इयूटी लगाने और सभी तेयारियों की रिपोर्ट मुख्यालय में देने के निर्देश दिए। कैम्प के दौरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिदायतों को पूरी तरह से पालना की जाएगी। इस अभियान के लिए विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके

परिजनों व विद्यार्थियों के लिए अब तक सात वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा यिछले एक समाह में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए छह टेरिट्रिंग कैम्प भी लगाए गए हैं। साथ ही कोरोना वैक्सीन लगवाने के लिए भी प्रेरित करेंगे। इसमें युवाओं, महिलाओं व किसानों को प्रमुखता से जागरूक किया जाएगा। कुलपति महोदय ने बताया कि अगर जिला प्रशासन को विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों की किसी भी प्रकार से कोरोना काल के चलते सहयोग की जरूरत पड़ी तो हर संभव मदद की जाएगी। इसके अलावा जितने भी कैम्प आयोजित किए जाएंगे, सभी में जिला प्रशासन का सहयोग लिया जाएगा। इससे पहले भी जितने कैम्प आयोजित किए गए हैं, सभी जिला प्रशासन के सहयोग से ही किए गए हैं, इसके लिए भी उनका आभार व्यक्त करते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नंबर-३१२	29.04.2021	--	--

फसल विविधिकरण को बढ़ावा दें किसानः कुलपति

हिसार/29 अप्रैल/रिपोर्टर

वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधूंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाईन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस भी मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के

लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कुलपति ने भविष्य में इस तरह की कार्यशाला में प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को भी शामिल करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश के अन्य किसानों को भी इनकी सफलता से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बैड प्लांटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया। सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधिकरण के लिए मेरा पानी मेरी विरासत नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर साबित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए

भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा रबी व खरीफ फसलों में कीटनाशकों व उनके प्रयोग के लिए की गई सिफारिशों बहुत ही कारगर हैं। इसलिए किसानों को इन्हें अवश्य अपनाना चाहिए। विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के लिए की गई सिफारिशों पर मंथन करते हुए कुछ नई सिफारिशों को लागू करवाने को लेकर किया गया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई विभिन्न फसलों की नई किस्मों की जानकारी देते हुए मौजूदा समय में चल रहे अनुसंधान कार्यों के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा की आवाज	28.04.2021	--	--

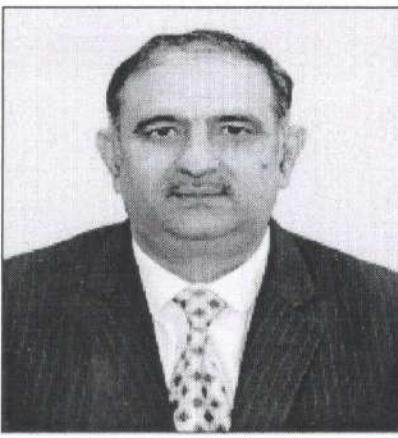
हरियाणा की आवाज़

एचएयू कृषि विज्ञान केंद्रों पर लगावाएगा मेगा वैक्सीनेशन कैम्प

किसानों के हित के लिए समर्पित है विश्वविद्यालय: कुलपति बी.आर. काम्बोज

हिसार(एस.जैन)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार प्रदेश के प्रायेक जिले में स्थापित अनुसंधान एवं कृषि विज्ञान केंद्र पर मई माह में मेगा वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित करेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उक्त फैसला लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को ज्ञान में रखते हुए लिया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय संट्रैक किसानों के हित के लिए समर्पित है और इसी कार्य से उक्त फैसला लिया गया है। उन्होंने बताया कि कैम्प के माफल आयोजन के लिए सभी कृषि विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्रों के इच्छाती को इस बारे में केंद्र द्वारा घोषित गए नजदीकी यात्रों के किसानों व केंद्र के कर्मचारियों की एक सूची तैयार करने के आदेश दिए हैं, जिनको टीकाकरण नहीं किया गया है। इसके लिए संबोधित जिला प्रशासन, मुख्य विधायक आयोजित, नोडल ऑफिसर से वैक्सीन की उपलब्धता और तकनीकी स्थापत्ता के लिए संपर्क करने के भी आदेश दिए हैं। उन्होंने कैम्प के माफल अव्याहन के लिए एक वैज्ञानिक की नोडल अधिकारी के रूप में द्युर्ली लगाने और सभी तैयारियों की रिपोर्ट मुख्यालय में देने के निर्देश दिए। कैम्प के दैरान राज्य व केंद्र सरकार द्वारा जारी हिटायतों की पूरी तरह से पालना की जाएगी। इस अभियान के लिए विस्तार विज्ञा निदेशक डॉ. रामनवास को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिले के गांवों में भी मनाएगा टीका उत्सव



कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर में कर्मचारियों, उनके परिजनों व विद्यार्थियों के लिए अब तक मात्र वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जा चुके हैं। इसके अलावा पिछले एक सप्ताह में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए उक्त एस्ट्रिंग कैम्प भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की रेडीरीस इकाई द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में लड़के व लड़कियों के ऊतावासा में दो वैक्सीनेशन कैम्प आयोजित किए जाएंगे, जिसके लिए

उत्तम कल्याण निदेशक डॉ. टेंडेंड रिंग दहिया को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार एनएसएस इकाई द्वारा विभिन्न जातियों में पाच कैम्प लगाए जाएंगे। इन सभी कैम्पों में एनसीसी के केंट कोरोना महामारी के लिए केंद्र व राज्य सरकार की हिदायतें जैसे मास्क पहनना, सामाजिक दूरी व सेनेटाइजेशन की पालना के लिए सहयोग करें। विश्वविद्यालय के रेडीरीस इकाई, एनएसएस व एनसीसी इकाई के स्वयंसेवक इस अभियान की सफलता के लिए लोगों को धैर्य करें। उन्होंने बताया कि ये सभी स्वयंसेवक अपने अपने गांवों व उन सभी ज्ञानों के माध्यम से जहां वे रहते हैं, लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करें। साथ ही कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए भी प्रेरित करें। इसमें युवाओं, महिलाओं व किसानों को प्रमुखता से जागरूक किया जाएगा।

जिला प्रशासन का कर्तव्य महायोग कुलपति महोदय ने बताया कि अब जिला प्रशासन को विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों की किसी भी प्रकार से कोरोना काल के चलते सहयोग की ज़रूरत पड़ी तो हर संभव मदद की जाएगी। इसके अलावा जितने भी कैम्प आयोजित किए जाएंगे, उन्हीं में जिला प्रशासन का सहयोग हिला जाएगा। इससे पहले भी जितने कैम्प आयोजित किए गए हैं, उन्हीं में जिला प्रशासन के सहयोग से ही किए गए हैं, इसके लिए भी उनका आभार व्यक्त करते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
प्रियोग ८४	29.04.2021	--	--

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

मिट्टी पल्स न्यूज़, हिसार। किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले यामोहिक प्रयास कागड़ मालिक होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न मंडलों व संघों और के मध्यें में अनुसंधान को आगे बढ़ाए ताकि किसान समृद्धि को इनका अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। ये विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कूलपति डॉ. बी. आर. काम्होज ने कहा। तो मानव संसाधन प्रबन्धन निदेशक द्वारा आर में अनुसंधान प्रबन्धन विषय पर अकालीन माझाम से आयोजित तीन दिनों के रिफ्रेशर कोर्स के माध्यम अवसरा पर बड़ी मुश्किलियत खोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि वैश्वक कोरोना महामारी से उत्पन्न दुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल टिनाक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों



हिसार। प्रतिभागियों को अनुलाइन माध्यम से संबोधित करते मुख्यालिय एवं अन्य।

के सकारात्मक रूपेय, विश्वास, लक्ष्य और दृष्टि संकल्प से ही संभव हो सकता है। मुख्यालिय ने इस कोर्स में शामिल यादृश व अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिकों की योग्यता की। स्नातकोत्तर अधिष्ठात्र एवं मानव संसाधन प्रबन्धन निदेशक द्वारा कोर्स के निदेशक डॉ. अतुल द्वीपदा ने बताया था कि समय में

अनुसंधान प्रबन्धन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सामरक्ष बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़े लाकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में योग्यता प्राप्त कर सकें।

प्रतिभागियों को आयाम में संबोधित करते मुख्यालिय एवं अन्य।

प्रतिभागियों को आयाम विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने मिलता ने कहा कि इस प्रतिक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न गाजी पंजाब, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम
पाठ्यपत्र

दिनांक
29.04.2021

पृष्ठ संख्या

कॉलम

1000 100

Page 200

दो दिन बंद रहेगी एचएयू, किया
जाएगा सेनेटाइज़ : बी. आर. काम्बोज
कमेटी गठित, निपरानी में चलेगा सेनेटाइजेशन अभियान

पाठ्यक्रमपृष्ठ न्यूज़

हिसार, 29 अप्रैल : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी दो दिनों के लिए बंद करने का फैसला लिया है। यह फैसला विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया इन दो दिनों के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक कुलसचिव शामिल होंगे। यह सेनेटाइजेशन अभियान इस कमेटी की निगरानी में चलाया जाएगा।



उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन माध्यम से होने वाली कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। हालांकि इस दौरान केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोविड-19 को लेकर केंद्र व कार द्वारा जारी हिदायतों का पहले से ही पालन रहा है, ताकि कोरोना संक्रमण को रोका जा सके अलावा कर्मचारियों से कार्यालय में बैठने की अनिवार्यता इस प्रकार करने को कहा गया है कि उनके दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। साथ ही मास्क व शैल का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा और अगर कार्यालय में कोरोना केस मिलता है तो उसकी दूरत नियंत्रण अधिकारी को देनी होगी।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	29.4.2021	--	--

दो दिन बंद रहेगी एचएयू, किया जाएगा सेनेटाइज़ : कुलपति

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार को आगामी दो दिनों के लिए बंद करने का फैसला लिया है।

यह फैसला विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यालयों और कॉलेजों में अचानक बढ़े कोरोना संक्रमितों की संख्या को देखते हुए लिया गया है। यह



जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौफेसर बी.आर. काम्बोज ने बताया इन दो दिनों के दौरान पूरे विश्वविद्यालय परिसर को सेनेटाइज़ कराया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय में एक

कमेटी का भी गठन किया गया है, जिसमें कैंपस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी और सहायक

कुलसचिव शामिल होंगे। यह सेनेटाइज़ेशन अभियान इस कमेटी की निगरानी में चलाया जाएगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन

माध्यम से होने वाली कृषि अधिकारी कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। हालांकि इस दौरान केंद्र व राज्य सरकार की सभी हिदायतों का सख्ती से पालन किया जाएगा।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	28.04.2021	--	--

समस्त हरियाणा

बुधवार, 28 अप्रैल, 2021

परिस्थितियों से घबराने की बजाय इन्हें अवसर में बदलने का समय : प्रौ. काम्बोज

एचएयू में रिफेशर कोर्स का
समापन, देशभर के
वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा



समस्त हरियाणा न्यूज
हिसार। किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कागड़ समिति होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके।

ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रौफेसर बी.आर. काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफेशर कोर्स के समापन अवसर पर बताए मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है।

देशभर से 48 कृषि वैज्ञानिकों ने लिया भाग
पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों पंजाब, उत्तरप्रदेश, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल से सहायक प्राध्यापक डॉ. रिचा खन्ना, सहायक निदेशक(बागवानी) डॉ. सुरेश धानियां एवं सस्य विज्ञान विभाग से डॉ. अनिल कुमार ढाका ने इस प्रशिक्षण के सफल आयोजन में विशेष सहयोग दिया। वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ बर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर जोड़े ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें।

हि
प
वे
ज
उ
वे
भ
प्र
व
वि
रु
अ
उ
व
द
त
दि
म
उ
म
ज
म
स



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समुच्चार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी। मैली	29.04.2021	--	--



पंजाब केसरी

www.panjabkesari.com

6/12



प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर कांबोज ने कही। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की वक्तशाप (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. मुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधिकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कुलपति ने भविष्य में इस तरह की कार्यशाला में प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को भी शामिल करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश के अन्य किसानों को भी इनकी सफलता से प्रेरणा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बेड प्लांटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सभार-तंदूरपुरा	29.4.2021	--	--

समस्त हरियाणा

बृहस्पतिवार, 29 अप्रैल, 2021

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रो. काम्बोज

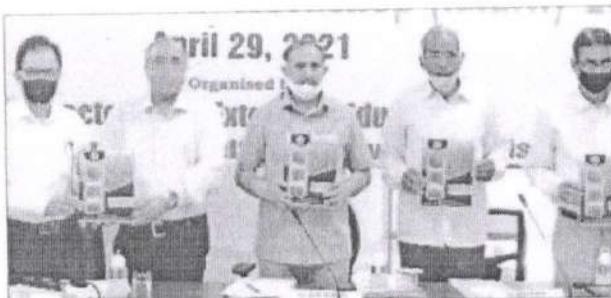
एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। वर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्र में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधृत प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुभंगन कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति

प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों

की वर्कशॉप(खरोफ)को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान



कल्याण विभाग हरियाणा सरकार अवगत कराया। उन्होंने बताया कि की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. इस वर्कशॉप का आयोजन सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के रही। कार्यशाला में कृषि लिए को गई सिफारिशों पर मंथन महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, करते हुए नई सिफारिशों को आईएएस भी मौजूद रहे।

मुख्यालिंग ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों सहरावत ने विश्वविद्यालय द्वारा को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए विकसित को गई विभिन्न फसलों की रखने और मिट्टी में सुख्म तत्वों की नई किस्मों की जानकारी दी। प्रदेश कमी को पूरा करते हुए के लिए कृषि विभाग की विस्तार गतिविधियों को लेकर कृषि एवं

इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न कृषि निदेशक (विमार) डॉ. एस.के. किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर गहलावत ने विस्तारपूर्वक जानकारी योगदान नामक पुस्तक का भी दी। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ.राजवीर सिंह, स्नातकोत्तर विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा अधिकारा डॉ. अनुल डॉगड़ा, कृषि निदेशक डॉ. रामनिवास ने वर्कशॉप महाविद्यालय के अधिकारा डॉ. ए.के. की विस्तृत जानकारी देते हुए छाबड़ा, सह-निदेशक डॉ. सुनील निदेशलय द्वारा आयोजित की जाने दांडा के अलावा निदेशक, वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के

फसल अवशेष प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती : सुनीता

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन की समस्या जलनशील मूद्दा है। साथ सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधकरण के लिए ऐसा पानी मेरी विरासत नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कारगर सचिव हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं। कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आपदनी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें।

कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा समस्त दृष्टिपोर्ट	29.04.2021	--	--

समस्त हरियाणा

बृहस्पतिवार, 29 अप्रैल, 2021

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रो. काम्बोज

एचएयू वैज्ञानिकों एवं प्रदेश के कृषि अधिकारियों की वर्कशॉप में नई समग्र सिफारिशों के लिए हुआ मंथन



समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। बर्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्र में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधृत प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उत्तरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के अंतर्गत संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कल्पना प्रोफेसर डॉ. आर. काम्बोज ने अन्तर्क्रिया किए। वे विश्वविद्यालय में अनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विस्तार विशेषज्ञों एवं हरियाणा सरकार के कृषि अधिकारियों की

वर्कशॉप(खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान

कल्याण विभाग हरियाणा सरकार अवगत कराया। उन्होंने बताया कि की अतिक्रम मुख्य मंत्रिवाले डॉ. इस वर्कशॉप का आयोजन सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मीजूद विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों के रही। कार्यशाला में कृषि लिए को गई सिफारिशों पर मंथन महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, करते हुए कुछ नई सिफारिशों को आइएएस भी मीजूद रहे।

मृद्गार्तिश ने कहा कि वैज्ञानिकों हैं। अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. का दायित्व बनता है कि वे किसानों महावाल ने विश्वविद्यालय द्वारा को भूमि को उत्तरा शक्ति बनाए। विक्रियत को गई विभिन्न फसलों को रखने और मिट्टी में सूखे तत्वों को नई किम्मों को जानकारी दी। प्रदेश कमी को पूरा करने के लिए के कृषि विभाग की विस्तार जागरूक करें।

इस अवसर पर कुलपति ने किसान कल्याण विभाग के अतिरिक्त विश्वविद्यालय द्वारा विक्रियत कृषि निदेशक (विस्तार) डॉ. एस.के. किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर गहलावत ने विस्तारपूर्वक जानकारी योगदान नामक पुस्तक का भी दी। कार्यक्रम में कुलसंचय विमोचन किया।

विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा अधिकारी डॉ. अतुल छोंगड़ा, कृषि निदेशक डॉ. रामनिवास ने वर्कशॉप महाविद्यालय के अधिकारी डॉ. ए.के. की विस्तृत जानकारी देते हुए छोंगड़ा, मह-निदेशक डॉ. सुनील निदेशालय द्वारा आयोजित की जाने ढाँड़ा के अलावा निदेशक, वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में विभागाध्यक्ष और सभी जिलों के

फसल अवशेष प्रबंधन सबसे बड़ी चुनौती : सुनीता

कार्यशाला को संबोधित करते हुए कृषि एवं किसान कल्याण विभाग की अतिरिक्त मुख्य मंत्रिवाले डॉ. सुनीता मिश्रा ने कहा कि मौजूदा समय में प्रदेश सरकार के सामने जल संरक्षण और फसल अवशेष प्रबंधन को समस्या ज्वलनशील मुद्दा है। राज्य सरकार ने जल संरक्षण और फसल विविधकरण के लिए भी मेरा आपनी मेरी विशास्त नामक योजना लागू की है जो बहुत ही कागजर समित हो रही है। इसके अलावा फसल अवशेष प्रबंधन के लिए भी सरकार की ओर से कदम उठाए जा रहे हैं।

कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएएस ने कहा कि किसानों की आमदानी बढ़ाने के लिए प्रदेश सरकार प्रयासरत है। ऐसे में कृषि अधिकारी किसानों को परम्परागत खेती की बजाय आधुनिक खेती के तौर तरीकों व नवीनतम तकनीकों की जानकारी देते हुए उन्हें जागरूक करें।

कृषि उपनिदेशक, कृषि अधिकारी आॅनलाइन माध्यम से शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैत्योद्धारा	29.04.2021	--	--

प्रश्ना उद्धारा तथा सम्बन्धित अन्य सामग्री का उपलब्ध कराया।

प्राकृतिक संसाधनों का उचित संरक्षण समय की मांग : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

हैलो हिसार न्यूज़

हिसार : बत्तमान समय में फसल उत्पादन बढ़ाने के चक्कर में प्रतिदिन रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग व जल दोहन से प्राकृतिक संसाधन नष्ट हो रहे हैं। साथ ही भूमि की उर्वरा शक्ति भी घट रही है। इसलिए वैज्ञानिकों को अनुसंधान कार्य करते समय प्राकृतिक संसाधनों के उचित संरक्षण का विशेष ध्यान रखना होगा। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज ने व्यक्त किए। वे विश्वविद्यालय में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों एवं हरियाणा



सरकार के कृषि अधिकारियों की वक्तव्याधारी (खरीफ) को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में हरियाणा सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा मरकार की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुनीता मिश्रा विशिष्ट अतिथि मौजूद रही। कार्यशाला में

कृषि महानिदेशक डॉ. हरदीप सिंह, आईएस भी मौजूद रहे। मुख्यातिथि ने कहा कि वैज्ञानिकों का दायित्व बनता है कि वे किसानों को भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने और मिट्टी में सूक्ष्म तत्वों की कमी को पूरा करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने किसानों से फसल विविधकरण को बढ़ावा देने की अपील की ताकि उनकी आमदनी में इजाफा हो सके। परम्परागत खेती से लागत अधिक व आमदनी कम होती है। इसलिए किसान फसल चक्र को अपनाएं। कुलपति ने भविष्य में इस तरह की कार्यशाला में प्रदेश के प्रगतिशील किसानों को भी शामिल करने का आह्वान किया ताकि प्रदेश के अन्य किसानों को भी इनकी सफलता से ऐरणा मिल सके। उन्होंने जल संरक्षण के लिए विभिन्न फसलों की बेड प्लाटिंग प्रणाली अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर कुलपति ने विश्वविद्यालय द्वारा विकसित विभिन्न किस्मों का खाद्य सुरक्षा में निरंतर योगदान नामक पुस्तक का भी विमोचन किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पात्रकल्पक	29.04.2021	--	--

अनुसंधान के बेहतर परिणामों के लिए सामूहिक प्रयास कारगर : प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज

एचएयू में रिफ्रेशर कोर्स का समापन, देशभर के वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

प्रोटोट एचएयू
पाठकपक्ष न्यूज़
दिनांक: 29 अप्रैल ; किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कागगर मार्खित होते हैं। इमरिल वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व सम्बंधियों के माध्यम से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं कार्यक्रियान्

समाप्ति को इनका अधिक मेरे थे। उन्होंने कहा कि वैश्वक करोना महामारी से उत्पन्न हुई पर्यावरणीयों से स्वराने की चालए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिलच बदलने का समय नहीं है बल्कि दिलच संरक्षण प्रबंधन विधय पर से अनुसंधान प्रबंधन विधय पर और अन्तर्राष्ट्रीय सामूहितीय सम्बन्धों के सम्बोधन को सम्पादन करने के सम्बोधन अवसर पर चर्चा मुख्यान्वित रूप से हो संभव हो





चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नम्बर ४२	28.04.2021	--	--

कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों को अवसर में बदलने का समय : कुलपति

हिमार/28 अप्रैल/रिपोर्टर

किसी भी अनुसंधान के बेहतर परिणामों को हासिल करने के लिए वैज्ञानिकों द्वारा किए जाने वाले सामूहिक प्रयास कारगर साबित होते हैं। इसलिए वैज्ञानिक विभिन्न संकायों व संस्थाओं के सहयोग से अनुसंधान को आगे बढ़ाएं ताकि किसान समुदाय को इनका अधिक से अधिक लाभ मिल सके। ये विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज ने कहे। वे मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय की ओर से अनुसंधान प्रबंधन विषय पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित तीन सप्ताह के रिफ्रेशर कोर्स के समापन अवसर पर बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वैश्विक कोरोना महामारी से उत्पन्न हुई परिस्थितियों से घबराने की बजाए इन्हें अवसर में बदलने का समय है। इसलिए यह केवल दिनांक बदलने का समय नहीं है बल्कि दिशा बदलने का समय है। उन्होंने कहा कि यह सब वैज्ञानिकों के सकारात्मक रूपैये, विश्वास, लक्ष्य और दृष्टि संकल्प से ही संभव हो सकता है। इस कोर्स से हासिल ज्ञान को प्रतिभागी व्यवहारिक रूप

से अपनाते हुए इसका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। साथ ही यहां से सीखी गई इन तकनीकों के उपयोग से वैज्ञानिकों को विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों व तकनीकों को विकसित करने में मदद मिलेगी जो किसानों के लिए भी फायदेमंद होंगी। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता एवं मानव संसाधन प्रबंधन निदेशालय के निदेशक डॉ. अतुल ढींगड़ा ने वर्तमान समय में अनुसंधान प्रबंधन को लेकर वैज्ञानिकों से आधुनिक तकनीकों से सांमजस्य बैठाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक स्वयं को नई-नई तकनीकों के साथ जोड़ें ताकि वे अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूदा परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से कार्य कर सकें। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. मंजू मेहता ने प्रतिभागियों व अतिथियों का स्वागत किया और रिफ्रेशर कोर्स के दौरान कराई गई गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। इस पाठ्यक्रम में 48 प्रतिभागियों ने देशभर से हिस्सा लिया, जिसमें से 27 प्रतिभागी हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और 21 प्रतिभागी देश के विभिन्न राज्यों से थे। पाठ्यक्रम संयोजिका डॉ. अंजू कुमारी ने मंच का संचालन करते हुए धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समूचार पुत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
धान्य बड़ा	29.4.2021	--	--

एचएयू के समय में बदलाव, एक मई से 8 बजे से दोपहर एक बजे तक खुलेंगे कार्यालय

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कार्यालय एक मई से प्रातः .8 बजे से दोपहर एक बजे तक खुले रहेंगे। यह जानकारी देते हुए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. राजवीर सिंह ने बताया कि एक मई से विश्वविद्यालय के कार्यालय खुलने के समय में बदलाव कर दिया गया है, इसके बाद कार्यालय खुलने का समय सुबह 8 बजे से दोपहर एक बजे तक रहेगा और यह समय प्रशासन के आगामी आदेश तक प्रभावी रहेगा। मौजूदा समय में पिछले कुछ दिनों से लगातार बढ़ रहे कोरोना केस व विश्वविद्यालय में मिले संक्रमित कर्मचारियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने कार्यालय के समय को कम करने का फैसला लिया है। कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए कोविड-19 संबंधी केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों की सख्ती से अनुपालना की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस दौरान फैकल्टी हाउस, फैकल्टी क्लब, कर्मचारी कम्युनिटी सेंटर और किसान आश्रम की सेवाएं बंद रहेंगी।

वाहनों के साथ केवल एक नंबर गेट से ही कर सकेंगे प्रवेश

उन्होंने बताया कि अब विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए केवल एक नंबर गेट ही खुला रहेगा। इसके लिए भी गेट पास व पहचान-पत्र दिखाना अनिवार्य होगा। विश्वविद्यालय का कैंपस हॉस्पिटल पहली शिफ्ट में प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे और दूसरी शिफ्ट में सायंकाल 4 बजे से साढ़े पांच बजे तक खुला रहेगा। इसके अलावा विश्वविद्यालय में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए दुकानें व बुथ जिला प्रशासन द्वारा जारी हिदायतों अनुसार ही खोले जाएँगे। इसके अलावा कार्यालय में आने वाले कर्मचारियों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा कोरोना के संबंध में जारी सभी हिदायतों का सख्ती से पालन करना होगा। इसके लिए कर्मचारियों की बैठने की व्यवस्था इस प्रकार करनी होगी कि उनके बीच की दूरी 6 फीट अनिवार्य हो। किसी भी कर्मचारी को केवल अति आवश्यक कार्य होने पर ही दूसरे कार्यालय में जाने की अनुमति होगी।